नवीन पाठ्यपुस्तकों तथा नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित

संजीव®

आल इन वन

पाठ्यपुस्तकों के सम्पूर्ण अभ्यास प्रश्नों का हल एवं अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर सहित

- हिन्दी के पद्य पाठ एवं अंग्रेजी के सभी पाठों का कठिन शब्दार्थ सहित सरल हिन्दी अनुवाद
- हिन्दी एवं अंग्रेजी में पाठ्यपुस्तकानुसार एवं पाठ्यक्रमानुसार व्याकरण का समावेश
- पाठ्यपुस्तक भाग 1, 2 एवं 3 के अनुसार पूर्णतः नवीन प्रकार से तैयार

कक्षा 5

मूल्य 440.00

संजीव प्रकाशन, जयपुर

Visit us at : www.sanjivprakashan.com

इस पुस्तक के सम्बन्ध में जानकारी

गुरुजनों से निवेदन

हमारे अनुभवी लेखकों तथा विषयाध्यापकों ने इस पुस्तक में विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी सामग्री प्रस्तुत की है। वस्तुतः इनमें योग्य एवं अनुभवी शिक्षकों के कठिन परिश्रम का निचोड़ समाविष्ट है। प्रत्येक विषय का सरल प्रतिपादन, पाठ्य सामग्री का वर्णन और सम्प्रेषण छात्रों के स्तरानुरूप हो, इन बातों का पूरा ध्यान रखा गया है। इस पुस्तक में पाठ्यपुस्तकों के अभ्यास प्रश्नों का सम्पूर्ण हल तो दिया ही गया है साथ ही परीक्षा के दृष्टिकोण से अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का भी समावेश किया गया है। इस पुस्तक में सभी प्रमुख विषयों का पाठ्यक्रमानुसार अत्यन्त सारगर्भित वर्णन किया गया है जो कि विद्यार्थी के लिए अत्यन्त लाभप्रद होगा।

आपका सहयोग एवं आगामी संस्करण के लिए आपके बहुमूल्य सुझाव एवं निर्देश अपेक्षित हैं।

प्रकाशक

विद्यार्थियों को पुस्तक के सम्बन्ध में जानकारी

- पाठ्यपुस्तकों में प्रत्येक अध्याय के अन्त में दिए गये अभ्यास प्रश्नों के अतिरिक्त अध्यायों के बीच-बीच में भी विभिन्न प्रकार के प्रश्न दिये हुए हैं। इन प्रश्नों में जो भी प्रश्न विद्यार्थियों के लिये उपयोगी हो सकते हैं उन सभी के उत्तर इस **संजीव आल इन वन** में दिये गये हैं। अध्याय के बीच-बीच में आये इन प्रश्नों को इस **संजीव आल इन वन** में **'पाठ-सार'** के बाद **'पाठगत प्रश्न'** शीर्षक के अन्तर्गत दिया गया है। साथ ही विद्यार्थियों की सुविधा के लिए पाठ्यपुस्तक में जिस पृष्ठ पर इस प्रकार के प्रश्न दिये गये हैं उसकी पृष्ठ संख्या भी **संजीव आल इन वन** में दी गयी है।
- प्रत्येक पाठ या अध्याय के प्रारम्भ में संक्षेप में उसका सार दिया गया है। हमारे विद्वान लेखकों द्वारा इस पाठ-सार में 'गागर में सागर' भरने का प्रयास किया है। विद्यार्थी इसे पढ़कर पूरे पाठ का निष्कर्ष सरलता से समझ सकते हैं।
- पाठ्यपुस्तकों के समस्त अभ्यास प्रश्नों का सम्पूर्ण हल दिया गया है साथ ही परीक्षा के दृष्टिकोण से अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का भी समावेश किया गया है।
- प्रत्येक पाठ या अध्याय में **वस्तुनिष्ठ, अतिलघूत्तरात्मक, लघूत्तरात्मक** एवं **निबन्धात्मक** आदि सभी प्रकार के प्रश्नोत्तर दिये गये हैं। परीक्षा में जिस-जिस प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं, उन सभी को इस पुस्तक में दिया गया है।
- यह पुस्तक प्रश्नोत्तर रूप में श्रेष्ठ पुस्तक ही नहीं बल्कि **अभ्यास पुस्तिका** भी है। इसके अध्ययन से विद्यार्थी परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त कर सकेंगे—ऐसा हमें पूर्ण विश्वास है।

प्रकाशक

प्रकाशक
संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
© प्रकाशकाधीन

लेजर टाइपसैटिंग
संजीव प्रकाशन (D.T.P. Dept.), जयपुर
अक्षत कम्प्यूटर्स, जयपुर

कक्षा-5 आल इन वन की विशेषताएँ

- पाठ्यपुस्तकों के सम्पूर्ण अभ्यास प्रश्नों का समावेश।
- अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश।
- हिन्दी के पद्य पाठ एवं अंग्रेजी के सभी पाठों का कठिन शब्दार्थ सहित सरल हिन्दी अनुवाद।
- हिन्दी एवं अंग्रेजी में पाठ्यपुस्तकानुसार एवं पाठ्यक्रमानुसार व्याकरण का समावेश।
- बोर्ड मॉडल पेपर एवं बोर्ड परीक्षा प्रश्न-पत्र का समावेश।
- पूर्णतः बोर्ड मॉडल पेपर एवं बोर्ड परीक्षा प्रश्न-पत्र पर आधारित।
- राजस्थान पाठ्यपुस्तक मण्डल द्वारा इस वर्ष चारों विषयों की पाठ्यपुस्तक—हिन्दी, English, गणित एवं पर्यावरण अध्ययन—को combined करके तीन भागों में प्रकाशित किया गया है। अतः इस संजीव आल इन वन में पूर्णतः नवीन पाठ्यपुस्तकों के अनुसार अध्यायों को तीन भागों में बाँटा गया है।
- पाठ्यपुस्तक भाग-2 एवं भाग-3 के प्रारम्भ में 'कार्यपत्रक' दिये गये हैं। इस संजीव आल इन वन में इन्हें हल सहित दिया गया है।
- पाठ्यपुस्तक भाग-2 एवं भाग-3 के प्रारम्भ में हिन्दी एवं English में 'हमने सीखा'/What we have learnt' के अन्तर्गत विद्यार्थियों से व्याकरण/Grammar एवं रचना/Writing के जिन-जिन Topics को सीखने की अपेक्षा की गयी है लगभग उन सभी Topics को इस संजीव आल इन वन में दिया गया है।
- सभी विषयों में सड़क सुरक्षा सम्बन्धी प्रश्नों का समावेश।

छात्र / छात्रा का नाम ....

कक्षा .... वर्ग ....

विषय ....

विद्यालय का नाम ....

विषय-सूची

भाग-1

हिन्दी

1. हम भारत के भरत 3
2. मेहनत की कमाई 7
3. अपनी वस्तु 10
4. त्योहारों का देश 14
5. अनोखी सूझ 19
6. स्वस्थ तन, सुखी जीवन 22
7. बालक का स्वप्न 26

व्याकरण 31-44

1. संज्ञा 31
2. सर्वनाम 31
3. विशेषण 32
4. क्रिया 33
5. वचन 34
6. काल की पहचान 34
7. लिंग 35
8. कारक 36
9. प्रत्यय 36
10. उपसर्ग 37
11. विलोम शब्द/विपरीतार्थी शब्द 38
12. पर्यायवाची (समानार्थी) शब्द 39
13. शब्दों का वाक्यों में प्रयोग 40
14. वर्ग पहेली से सार्थक शब्द बनाना 41
15. मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ 42
16. अनुनासिक स्वर तथा अनुस्वार की पहचान व अन्तर 43
17. विराम चिह्न 44

रचना

कहानी लेखन 44-46

पत्र-लेखन 46-48

निबन्ध लेखन 48-51

संवाद-लेखन 51-52

ENGLISH

LET'S LEARN ENGLISH

1. We shall Overcome 53
2. Let's Learn Pranayam 56
3. The Rats and the Elephants 63
4. School is a Temple 69
5. Adding Colours 76
6. The Dussehra Festival 78
7. Who will Play with Me? 85

VOCABULARY AND GRAMMAR

1. Missing Letters 90
2. Jumbled Letters 91
3. Connectives/Conjunctions 91
4. Homophones 94
5. Tenses or Correct Forms of the Verbs 96
6. Preposition 105

7. Correct Word/Suitable Word 109
8. Word Formation 110
9. Similar Words/Synonyms 112
10. Opposites 113
11. Modals—Can, Cannot 116
12. One Word 117
13. Sentences Beginning with 'There is' and 'There are' 119
14. Gender 120
15. Use of 'is, am, are, have, has' 122
16. Article 124
17. Question Framing 128
18. Nouns—Kinds of Nouns 131
19. Pronoun 132
20. Adverbs—Kinds of Adverbs 135
21. Sounds 136
22. Punctuation Marks 137
23. Changing Sentences into Negative 140
24. Making Sentence Using the Word 142
25. Road Safety and Cleanliness 143

READING

Unseen Passages 147-150

WRITING

1. Paragraphs 150
2. Sentences Based on Picture 154
3. Letters & Applications 162
4. Dialogue Writing 165
5. Notice 167
6. Story Writing 169
7. Message Writing 171
8. E-mail (Electronic-Mail) 172
9. Poster 173
10. Mini Biographies 173
11. Mini Autobiographies 174

गणित

1. संख्याएँ 175
2. जोड़-घटाव 181
3. गुणा-भाग 187
4. वैदिक गणित 193
5. गुणज एवं गुणनखण्ड 201
6. भिन्न की समझ 206
7. तुल्य भिन्न 211
8. पैटर्न 217

पर्यावरण अध्ययन

1. रिश्तों की समझ 224
2. परिवारों का आना-जाना 228
3. कुछ खास हैं हम 232
4. मिलकर करें सफाई 236
5. आओ, खेलें खेल 241
6. बीज बना पौधा 245
7. वृक्षों की महिमा 250
8. जीव-जन्तुओं की निराली दुनिया 255
9. कहाँ-कहाँ से पानी 259
10. जल ऊपर से नीचे की ओर 264
11. जल में जीवन 268

भाग–2

हिन्दी

कार्य–पत्रक 275

8. नया समाज बनाएँ 276

9. सदाचार 279

10. नारी शक्ति की प्रतीक—भगिनी निवेदिता 283

11. नीति के दोहे 287

12. मजेदार कबड्डी 291

13. किताबें 295

14. स्वर्ण नगरी की सैर 297

ENGLISH

Exercise 301

LET'S LEARN ENGLISH

8. A Genie Whom No One Liked 302

9. The Star 307

10. Say 'No' to Tobacco 312

11. A Talkative Tortoise 317

12. Chittorgarh : A Glimpse of Glory 323

13. Firefly in My Room 329

गणित

कार्य–पत्रक 332

9. आँकड़े (सड़क सुरक्षा सम्बन्धी प्रश्नों सहित) 334

10. मुद्रा 342

11. समय 353

12. भार 359

13. मापन (लम्बाई) 365

14. परिमाप एवं क्षेत्रफल 369

15. धारिता 376

पर्यावरण अध्ययन

कार्य–पत्रक 383

12. गन्दा पानी, फैलाए रोग 384

13. पानी से खेलें 388

14. खाने से पचने तक 393

15. जब चाहें, तब खाएँ 399

16. हमारे गौरव–III 404

17. अपना जिला 408

18. तरह–तरह के घर 412

19. जब आई आपदा 418

20. खेती से खुशहाली 422

21. जीवन है अनमोल (सड़क सुरक्षा सम्बन्धी प्रश्नों सहित) 428

22. कैसे बचाएँ ईंधन 434

भाग–3

हिन्दी

कार्य–पत्रक 441

15. पन्ना का त्याग 444

16. दृढ़ निश्चयी सरदार 448

17. चुनाव प्रक्रिया कब, क्या व कैसे 451

परिवेशीय सजगता

(सड़क सुरक्षा एवं परिवेश) **455**

हिन्दी मौखिक परीक्षा **457**

ENGLISH

Exercise **458**

LET'S LEARN ENGLISH

14. A Gurubhakt Girl : Kalibai 461

15. The Choice is Yours 467

Oral Examination **474-476**

गणित

कार्य-पत्रक **477**

16. ज्यामिति 482

17. मन गणित 486

पर्यावरण अध्ययन

कार्य-पत्रक **492**

23. हमारी विरासत 494

24. पहाड़ों की सैर 498

25. हमारी पृथ्वी व अंतरिक्ष 504

मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न **510-512**

ये हम नहीं कहते, जमाना कहता है

संजीव पास बुक्स है नं. 1

कक्षा 3 से एम.ए. के लिये

दैनिक भास्कर — **राजस्थान का प्रमुख दैनिक**

जयपुर, 12 जुलाई, 2022

सफलता का पर्याय बनीं संजीव पास बुक्स

जयपुर। लंबे समय से संजीव पास बुक्स अपनी उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम, प्रमाणित आंकड़ों तथा सरल भाषा के कारण विद्यार्थियों में सर्वाधिक लोकप्रिय बनी हुई है। लाखों विद्यार्थी संजीव पास बुक्स से अध्ययन कर सफलता अर्जित कर रहे हैं। स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव आल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव पास बुक्स, अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 5 से 8 के लिए संजीव रिफ्रेशर आल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव रिफ्रेशर प्रकाशित की जाती हैं। कॉलेज स्तर पर भी राजस्थान के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमानुसार प्रथम वर्ष से एम.ए. तक के लिए संजीव पास बुक्स प्रकाशित की जाती हैं। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल के अनुसार संजीव पास बुक्स सहित अन्य सभी पुस्तकें पूर्णत: नवीनतम पाठ्यपुस्तकों एवं नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार तैयार कराई जाती हैं।

राजस्थान पत्रिका — **राजस्थान का प्रमुख दैनिक**

जयपुर, 7 जुलाई, 2022

विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बनी संजीव पास बुक्स

जयपुर। संजीव पास बुक्स अपनी पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम और सरल भाषा के चलते विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित हो रही है। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल का कहना है कि हमारी पुस्तकें नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार तैयार कराई जाती हैं, जिसमें अनुभवी विशेषज्ञों का योगदान होता है। साथ ही समय-समय पर इन्हें अपडेट भी किया जाता है, इससे सहायक पुस्तकों के रूप में विद्यार्थियों के लिए ये बहुत उपयोगी हो जाती हैं। गौरतलब है कि संजीव पास बुक्स, संजीव इंग्लिश कोर्स, संजीव साइंस पुस्तकें, रिफ्रेशर आदि पुस्तकों की कक्षा 3 से एम.ए. तक के छात्रों के बीच अच्छी डिमांड है।

दैनिक नवज्योति — **राजस्थान का प्रमुख दैनिक**

जयपुर, 6 जुलाई, 2022

विद्यार्थियों में सर्वाधिक लोकप्रिय संजीव पास बुक्स

जयपुर। लम्बे समय से संजीव पास बुक्स अपनी उच्च गुणवत्तायुक्त पाठ्यसामग्री, नवीनतम घटनाक्रम, प्रमाणित आंकड़ों तथा सरल भाषा के कारण विद्यार्थियों में सर्वाधिक लोकप्रिय बनी हुई है। लाखों विद्यार्थी संजीव पास बुक्स से अध्ययन कर सफलता अर्जित कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि स्कूल स्तर के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 3 से 9 के लिए संजीव आल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव पास बुक्स, अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए कक्षा 5 से 8 के लिए संजीव रिफ्रेशर ऑल इन वन, कक्षा 9 से 12 के लिए अलग-अलग विषय पर संजीव रिफ्रेशर प्रकाशित की जाती हैं। इनके अलावा अंग्रेजी विषय को आसानी से समझने के लिए कक्षा 6 से 12 के लिए संजीव इंग्लिश कोर्स तथा विज्ञान के विद्यार्थियों की सुविधा के लिए कक्षा 11 एवं 12 के लिए उच्चस्तरीय संजीव साइन्स की पाठ्यपुस्तकें भी प्रकाशित की जाती हैं। कॉलेज स्तर पर भी राजस्थान के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों यथा- राजस्थान, भरतपुर, अलवर, सीकर, अजमेर, बीकानेर, कोटा एवं जोधपुर विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमानुसार प्रथम वर्ष से एम.ए. तक के लिए संजीव पास बुक्स प्रकाशित की जाती हैं। संजीव पास बुक्स की लोकप्रियता के बारे में विद्यार्थियों से बात करने पर उन्होंने बताया कि इसमें उन्हें सरल भाषा में पूरा पाठ्यक्रम, पर्याप्त संख्या में प्रश्न-उत्तर, प्रमाणित आंकड़े, नवीनतम जानकारी उचित मूल्य पर उपलब्ध हो जाती है। इसीलिए सभी विद्यार्थी सहायक पुस्तकों के रूप में संजीव पास बुक्स को ही खरीदना पसन्द करते हैं। संजीव प्रकाशन के निदेशक प्रदीप मित्तल एवं मनोज मित्तल के अनुसार संजीव पास बुक्स सहित अन्य सभी पुस्तकें पूर्णत: नवीनतम पाठ्यपुस्तकों एवं नवीनतम पाठ्यक्रमानुसार तैयार कराई जाती हैं। प्रत्येक विषय की पुस्तक को योग्य तथा अनुभवी विशेषज्ञ प्राध्यापकों से लिखवाया जाता है। इन्हें समय-समय पर पूर्णत: संशोधित तथा अपडेट भी कराया जाता है। इससे सहायक पुस्तकों के रूप में विद्यार्थियों के लिए ये बहुत उपयोगी हो जाती हैं। इन्हीं कारणों से संजीव प्रकाशन द्वारा प्रकाशित संजीव पास बुक्स, संजीव इंग्लिश कोर्स, संजीव साइंस पाठ्यपुस्तकें, संजीव रिफ्रेशर आदि पुस्तकें कक्षा 3 से एम.ए. तक के विद्यार्थियों में अत्यन्त लोकप्रिय हैं।

प्रकाशक : संजीव प्रकाशन, जयपुर

कक्षा 5

भाग 1

हिन्दी–अध्याय 1 से 7

English—Chapter 1 to 7

गणित–अध्याय 1 से 8

पर्यावरण अध्ययन–अध्याय 1 से 11

हिन्दी–कक्षा–5

पाठ–1. हम भारत के भरत

पाठ का सार–प्रस्तुत कविता में कवि ने भारत के लोगों की वीरता और साहस का बखान किया है। कविता में बताया गया है कि यहाँ के लोगों को वीरता, साहस, संघर्ष और जुझारुपन के गुण उनके बचपन में ही मिल जाते हैं। यहाँ के वीरों की वीरता का लोहा पूरी दुनिया मानती है। मातृभूमि की रक्षा के लिए यहाँ के लोग हँसते-हँसते अपना बलिदान कर देते हैं। पाठ में महाभारतकालीन राजा भरत के बचपन की वीरता के उदाहरण से बालकों को वीरता, संघर्ष और कष्ट सहन करने का संदेश दिया गया है।

कठिन-शब्दार्थ एवं सरलार्थ–

(1) हम भारत के भरत..पुरखों की सौगात है॥

कठिन-शब्दार्थ–संतान = संतति/औलाद। **बढ़कर** = ज्यादा/अधिक। **गर्व** = अभिमान/गौरव। **पुरखों** = पूर्वजों। **सौगात** = उपहार/भेंट।

सरलार्थ–कवि कहता है कि हम भारत के लोग राजा दुष्यन्त के प्रतापी पुत्र भरत के समान बलशाली हैं। हम भरत की तरह शेरों के बच्चों से खेलने का साहस रखते हैं। संसार में कोई भी देश हमारे देश के समान या इससे बढ़कर नहीं है। भारत भूमि पर जन्म लेना बड़े गौरव की बात है। हमें साहस और वीरता के गुण अपने पूर्वजों से सौगात अर्थात् विरासत में भेंट की तरह मिले हैं।

(2) बड़ी-बड़ी ज्वालाओं से कम,...............................बढ़कर हिन्दुस्तान से॥

कठिन-शब्दार्थ–ज्वालाओं = शूरवीरों/योद्धाओं। **चिनगारियाँ** = छोटे-छोटे बालक। **काँटे** = कष्ट/दुःख। **फूल** = सुख/आनन्द। **फुलवारियाँ** = संस्कृति/पालनकर्ता। **महकते** = सुख-शांति से काम करते। **दहकते** = वीरता का प्रदर्शन करते/तपते।

सरलार्थ–कवि कहता है कि भारत के छोटे-छोटे बालक बड़े वीर हैं। छोटी-छोटी चिंगारियाँ भी बड़ी-बड़ी ज्वालाओं से कम नहीं हैं, अर्थात् यहाँ के छोटे बच्चे भी काफी बलशाली हैं। यहाँ बगीचों में फूल से पहले काँटे आते हैं। हम कठिन संघर्ष करके सफलता पाते हैं। हम कभी अंगारे बनकर दहकते हैं तो कभी फूलों के समान खिलकर महकते हैं। हम अपने देश की खातिर शान से जीते और मरते हैं। संसार का कोई भी देश भारत से बढ़कर नहीं है।

(3) कूद समर में आगे आए,.....................................बढ़कर हिन्दुस्तान से॥

कठिन-शब्दार्थ–समर = युद्ध। **ललकारने** = युद्ध करने। **अचरज** = आश्चर्य। **सदियों** = बहुत वर्षों/सौ वर्षों से भी अधिक। **व्रत** = निश्चय/संकल्प। **बारह मास** = पूरे वर्ष।

सरलार्थ–कवि कहता है कि जब भी हम ललकारते हुए युद्ध-भूमि में शत्रु से लड़ने के लिए आये, तब हमारे पराक्रम को देखकर सारे संसार के लोग आश्चर्यचकित हो गये। हम सदियों से इतिहास के पन्नों में अपना नाम करते रहे हैं। अपनी मातृभूमि के लिए हम बारहों महीने अर्थात् हमेशा त्याग और बलिदान का व्रत (संकल्प) रखते हैं। इस भारत भूमि की खानों से सदा हीरे जैसे अमूल्य रत्न अर्थात् श्रेष्ठ महापुरुष ही निकले हैं। इसकी मिट्टी में सदा महान् देशभक्तों ने जन्म लिया है। सारे संसार में कोई भी देश भारत से बढ़कर नहीं है।

(4) यह धरती जो माँ है अपनी, ...बढ़कर हिन्दुस्तान से॥

कठिन-शब्दार्थ—चौकस पहरेदारी = सावधानी के साथ रखवाली करना। **सौगन्ध** = शपथ। **परिचय** = जानना। **श्रम** = मेहनत।

सरलार्थ—कवि कहता है कि यह भारत भूमि हमारी जन्मभूमि अर्थात् माता है, जो कि हमें प्राणों से भी अधिक प्यारी है। इसकी सावधानी और साहस से रक्षा करने की जिम्मेदारी हम सब बच्चों की है। हम खूब परिश्रम करने का संकल्प लें। हमारे सामने देश की रक्षा और प्रगति करने की कठिन परीक्षा है। हमने जिस माँ का दूध पिया है, उसकी सौगन्ध खाकर हम अपने देश की रक्षा के लिए तैयार रहें। हम इस छोटी उम्र में ही परिश्रम और बलिदान करना जान लें अर्थात् देश-सेवा का परिचय प्राप्त कर लें। इस संसार में कोई भी देश भारत से बढ़कर या श्रेष्ठ नहीं है।

पाठ्यपुस्तक के प्रश्नोत्तर

सोचें और बताएँ

प्रश्न 1. भरत किससे खेलते थे?
उत्तर—भरत शेर के बच्चों के साथ खेलते थे।

प्रश्न 2. पुरखों की सौगात क्या है?
उत्तर—साहस और वीरता पुरखों की सौगात है।

प्रश्न 3. हमें जान से प्यारी क्या है?
उत्तर—भारत माता हमें जान से प्यारी है।

लिखें

प्रश्न 1. सही उत्तर के शब्द का क्रमाक्षर छाँटकर कोष्ठक में लिखें।

(क) सौगात का अर्थ होता है—
(अ) सोगरा (ब) सागर
(स) उपहार (द) सौगंध ( )
उत्तर—(स) उपहार।

(ख) एक वर्ष में महीनों की संख्या होती है—
(अ) दस (ब) सात
(स) बारह (द) नौ ( )
उत्तर—(स) बारह।

प्रश्न 2. इस कविता में से वे पंक्तियाँ छाँट कर लिखो, जिनका अर्थ है—

(अ) चिनगारियाँ ज्वालाओं से कम नहीं हैं।
उत्तर—बड़ी-बड़ी ज्वालाओं से कम, नहीं यहाँ चिनगारियाँ।

(ब) हमारे काम इतिहास का हिस्सा बनते रहे हैं।
उत्तर—सदियों से बनते आए हैं, हम पन्ने इतिहास के।

(स) हम धरती को माँ समान प्यार करते हैं।
उत्तर—यह धरती जो माँ है अपनी, हमें जान से प्यारी है।

(द) कठिन परीक्षा में मेहनत करने की आवश्यकता है।
उत्तर—बोलो—मेहनत खूब करेंगे, कठिन परीक्षा आई है।

प्रश्न 3. हमारे लिए सबसे अधिक गर्व की क्या बात है?
उत्तर—भारत भूमि पर जन्म लेना हमारे लिए सबसे अधिक गर्व की बात है।

प्रश्न 4. फुलवारियों से हमें क्या-क्या मिलता है?
उत्तर—फुलवारियों से हमें पहले काँटे और बाद में फूल मिलते हैं।

प्रश्न 5. कविता में हमारे कौनसे व्रतों की बात कही गई है?
उत्तर—कविता में त्याग और बलिदान के व्रतों की बात कही गई है।

प्रश्न 6. बालकों की क्या जिम्मेदारी है?
उत्तर—अपने देश अर्थात् भारत माता की सावधानी के साथ रखवाली करना बालकों की जिम्मेदारी है।

प्रश्न 7. इतिहास के पन्नों में लिखी हुई कौनसी बातें हैं?
उत्तर—हमारे साहस और बलिदान की बातें इतिहास के पन्नों में लिखी हुई बातें हैं।

भाषा की बात

प्रश्न 1. बोलकर अन्तर कराएँ—
हंस—हँस, चाँद—चंदा, अंगना—आँगन, पूँछ—पूछ, रंग—रँगा।
उत्तर—अध्यापक की सहायता से बोलिए तथा अन्तर कीजिए।

प्रश्न 2. नीचे लिखे शब्दों को एकवचन में लिखें।

उत्तर— चिंगारियाँ – **चिंगारी**
फुलवारियाँ – **फुलवारी**
सवारियाँ – **सवारी**
क्यारियाँ – **क्यारी**
बिवाइयाँ – **बिवाई**
दवाइयाँ – **दवाई**
मिठाइयाँ – **मिठाई**
तैयारियाँ – **तैयारी**
सलाइयाँ – **सलाई**
चटाइयाँ – **चटाई**

प्रश्न 3. नीचे दिये गये शब्दों में से पुल्लिंग व स्त्रीलिंग शब्द छाँटकर लिखें—
मिट्टी, उँगली, हीरा, बालक, परीक्षा, दूध।

उत्तर— **पुल्लिंग** **स्त्रीलिंग**
हीरा मिट्टी
बालक उँगली
दूध परीक्षा

जो शब्द स्त्री अथवा पुरुष जाति का बोध कराते हैं, वे 'लिंग' कहलाते हैं। लिंग दो प्रकार के होते हैं : (1) स्त्रीलिंग (2) पुल्लिंग।

यह भी करें

प्रश्न 1. हम बालक अपने देश की सेवा के रूप में कौन-कौन से कार्य कर सकते हैं? चर्चा करें।

उत्तर—देश की सेवा के रूप में हम पर्यावरण को शुद्ध रखने का, स्वच्छता व सफाई का, पानी-बिजली बचाने, वृक्ष लगाने, वृक्ष काटने से बचाने जैसे कई कार्य कर सकते हैं।

प्रश्न 2. आपके आस-पास देश सेवा करने वालों/देशभक्तों के बारे में जानें व कक्षा में चर्चा करें।

उत्तर—हमारे यहाँ अनेक देशभक्त हुए हैं, कुछ नाम ये हैं—महाराणा प्रताप, भामाशाह, माणिक्यलाल वर्मा, हरिभाऊ उपाध्याय, जयनारायण व्यास, हीरालाल शास्त्री आदि। इनके विषय में अध्यापक की सहायता से चर्चा करें।

प्रश्न 3. भारतीय व अंग्रेजी महीनों के नाम लिखें।

उत्तर—**भारतीय महीने**—(1) चैत्र, (2) वैशाख, (3) ज्येष्ठ, (4) आषाढ़, (5) श्रावण, (6) भाद्रपद, (7) आश्विन, (8) कार्तिक, (9) मार्गशीर्ष, (10) पौष, (11) माघ, (12) फाल्गुन।

अंग्रेजी महीने—(1) जनवरी, (2) फरवरी, (3) मार्च, (4) अप्रेल, (5) मई, (6) जून, (7) जुलाई, (8) अगस्त, (9) सितंबर, (10) अक्टूबर, (11) नवंबर, (12) दिसम्बर।

प्रश्न 4. इन महीनों में आने वाले व्रत व त्यौहारों के बारे में जानें।

उत्तर—**जनवरी/पौष-माघ**—मकर संक्रान्ति, लोहड़ी, गुरु गोविन्दसिंह जयन्ती, पोंगल, गणतन्त्र दिवस।

फरवरी/माघ-फाल्गुन—वसन्त पंचमी, रविदास जयन्ती।

मार्च/फाल्गुन-चैत्र—महाशिवरात्रि, होली, दयानन्द जयन्ती।

अप्रैल/चैत्र-वैशाख—हिन्दू नववर्ष प्रारम्भ, चेटीचण्ड, नवरात्र, रामनवमी, गणगौर, महावीर जयन्ती, गुड़ी-पड़वा, ईस्टर।

मई/वैशाख-ज्येष्ठ—अक्षय तृतीया, बुद्ध पूर्णिमा, नृसिंह जयन्ती।

जून/ज्येष्ठ-आषाढ़—गंगा दशहरा।

जुलाई/आषाढ़-श्रावण—ईद-उल-फितर (चाँद से), गुरु पूर्णिमा, तीज।

अगस्त/श्रावण-भाद्रपद—रक्षाबन्धन, स्वतन्त्रता दिवस, जलझूलनी एकादशी, नागपंचमी।

सितम्बर/भाद्रपद-अश्विन—श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, गणेश चतुर्थी, नवरात्रा स्थापना, दशहरा।

अक्टूबर/आश्विन-कार्तिक—करवा चौथ, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज, देवोत्थान एकादशी।

नवम्बर/कार्तिक-मार्गशीष—गुरु नानक जयन्ती, अक्षय नवमी।

दिसम्बर/मार्गशीर्ष-पौष—क्रिसमस।

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

वस्तुनिष्ठ प्रश्न—

1. 'अँगुली दाँतों तले दबाई' का क्या अर्थ है?
(अ) अँगुली चबाना (ब) सोचना
(स) आश्चर्य करना (द) दातुन करना ( )

2. फुलवारियों में क्या उगते हैं?
(अ) अनाज (ब) फूल
(स) फल (द) सब्जी ( )

3. हीरा कहाँ से निकलता है?
(अ) खान से (ब) गोदाम से
(स) खेत से (द) कारखाने से ( )

4. 'संतति' का अर्थ होता है—
(अ) सताना (ब) सौगात
(स) समय (द) संतान ( )